रविवासरीय
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

हर शहर की होती है अपनी अवधारणा

प्रयागराज, संवाददाता। झूंसी स्थित गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में 'शहर, समय एवं संस्कृतिः अमृत राय एवं विजयदेव नारायण साही के विशेष संदर्भ में' विषय पर दो दिनी संगोष्ठी का आगाज शनिवार को हुआ। निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने कहा कि हर शहर की अपने समय पर अपनी अवधारणा होती है। बदलते समय व समाज को समझने में शहर की साहित्यिक रचनात्मकता बहुत मददगार होती है।

प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक व इतिहासकार प्रो. नन्द किशोर आचार्य ने कहा कि अमृत

■ गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

राय एवं विजयदेव नारायण साही दोनों हिन्दी साहित्य के शलाका पुरुष रहे हैं। अमृत राय हमें सिखाते हैं कि कैसे एक लेखक किसी विचारधारा से जुड़ते हुए भी अपनी स्वायत्तता बनाए रखता है। प्रो. आलोक राय ने कहा कि इस बहाने एक काल की स्मृति को पुनर्जीवित कर रहे हैं। ये साहित्य विमर्श उस समय काल की परतें खोलने में मददगार होगा। अध्यक्षता साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने की। प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि प्रयागराज एक वैचारिक खुलेपन का शहर है। प्रो. प्रणय कृष्ण ने कहा कि दोनों लेखक अपनी वैचारिक दृढ़ता के साथ साहित्यिक लोकतंत्र के रचयिता थे। अखिलेश ने अमृत राय के बारे में कहा कि उनका लेखन द्वंद्वों से उबरकर एकल दृष्टि बनाने की कोशिश है। इस अवसर पर प्रो. प्रदीप भार्गव, डॉ. रमा शंकर सिंह आदि ने अनुभव साझा किए।